एम० ए० (हिंदी) प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर

Core Coruse	Title	Credits
CC101	आधुनिक हिंदी कविता–1	4
CC102	हिंदी साहित्य का इतिहास	4
CC103	भाषा–विज्ञान एव हिंदी भाषा	4
General Elective Course		
GEC104 (One from pool of course)	नाटक एवं रंगमंच / हिंदी उपन्यास साहित्य	4
<u>Ability Enhancement Course</u>		
AEC105 (One from pool of course)	हिंदी भाषाः व्यवहारिक कौशल एवं अभिवृद्धि–I	2
<u>Skill Enhancement Course</u>		
SEC106 (One from pool of course)	हिंदी भाषा एवं तकनीकी कौशल–I	2
<u>Value Addition Course</u>		
VAC107 (One from pool of course)	हिंदी काव्य : राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना	2

एम० ए० प्रथम सेमेस्टर
आधुनिक हिंदी कविता – 1

(Core – 101)

Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे

पूर्णांक – 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30

लिखित परीक्षा – 70

क पाठ्य विषय

1 मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम् सर्ग)

2 जयशंकर प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा एवं रहस्य सर्ग)

3 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : राम की शक्ति पूजा, स्नेह निर्झर बह गया है, संध्या सुन्दरी, मैं अकेला, तोड़ती पत्थर, बादल राग प्रथम खंड

4 रामधारी सिंह दिनकर : कुरूक्षेत्र षष्ठम् सर्ग

ख आलोच्य विषय

साकेत : रामकाव्य परम्परा और साकेत, साकेत का महाकाव्यत्व, मैथिलीशरण गुप्त की नारी विषयक दृष्टि, काव्य वैशिष्ट्य।

कामायनी : कामायनी का महाकाव्यत्व, रूपक तत्व, कामायनी की दार्शनिक पृष्ठभूमि, कामायनी का आधुनिक संदर्भ, प्रसाद का सौन्दर्य बोध।

निराला : छायावादी काव्य परम्परा में निराला का स्थान, निराला के काव्य की प्रयोगशीलता, निराला की प्रगतिशील चेतना, राम की शक्तिपूजा का मूल कथ्य।

कुरूक्षेत्र : उत्तर छायावादी काव्य और दिनकर, दिनकर का काव्य शिल्प, दिनकर की जीवन दृष्टि, मूल प्रतिपाद्य

सहायक ग्रंथ

1 मैथिलीशरण गुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति आख्याता, डॉ० उमाकांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

2 मैथिलीशरण गुप्त और साकेत : डॉ० ब्रजमोहन वर्मा, जयपुर पुस्तक सदन, जयपुर।

3 साकेत एक अध्ययन : डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

4 संपूर्ण कामायनी (पाठ–अर्थ–समीक्षा) : डॉ० हरिहर प्रसाद गुप्त, भाषा साहित्य प्रकाशन, इलाहाबाद।

5 निराला की साहित्य साधना : डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

6 नई कविता की भूमिका : डॉ० प्रेम शंकर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

7 छायावादी काव्य और निराला : डॉ० कुमारी शांति श्रीवास्तव, ग्रंथम कानपुर।

8 निराला : डॉ० पदम सिंह शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

9 निराला और नवजागरण : डॉ० रामरतन भटनागर, साथी प्रकाशन, सागर।

10 निराला – डॉ० रामविलास शर्मा, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी, आगरा।

11 निराला की साहित्य साधना (1, 2, 3) भाग – डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल दिल्ली।

12 छायावाद की प्रासंगिकता : रमेशचंद्र शाह

13 निराला की साहित्य साधना – डॉ० रामविलास शर्मा तीनों खंड

14 मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता – डॉ० ललन राय, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक।
15 अज्ञेय की काव्य चेतना – डॉ० कृष्ण भावुक, साहित्य प्रकाशन, भालीवाडा, दिल्ली।
16 दिनकर काव्य का पुनर्मूल्यांकन : डॉ० शम्भु नाथ

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंकों का होगा।

2 प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

एम० ए० प्रथम सेमेस्टर
हिन्दी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल से रीतिकाल)

(Core – 102)

Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे

पूर्णांक – 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30

लिखित परीक्षा – 70

1. हिंदी साहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्व –पीठिका

हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा

साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ

हिंदी–साहित्य का इतिहास : काल–विभाजन, सीमा–निर्धारण

2 आदिकाल

नामकरण और सीमा

परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक

आदिकालीन कविता की प्रवृतियाँ

रासो काव्य – परंपरा

पृथ्वीराज रासो की प्रमाणिकता

3 भक्तिकाल

परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक

भक्ति–आंदोलन

भक्तिकालीन काव्य–धाराएँ : वैशिष्ट्य और अवदान

संत काव्य–धारा : वैशिष्ट्य

सूफी काव्य–धारा : वैशिष्ट्य

राम काव्य–धारा : वैशिष्ट्य

कृष्ण काव्य–धारा : वैशिष्ट्य

भक्तिकाल : स्वर्णयुग

4 रीतिकाल

नामकरण और सीमा

परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक

रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व

विभिन्न काव्य–धाराओं की विशेषताएँ –

- रीतिबद्ध
- रीतिसिद्ध
- रीतिमुक्त

पठनीय पुस्तकें

1 हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2 हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ० रामकुमार वर्मा, रामनारायण लाल, बेनी प्रसाद, इलाहाबाद।
3 हिंदी साहित्य का भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4 हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, अत्तर चंद कपूर एण्ड संज, दिल्ली।
5 हिंदी साहित्य का इतिहास : सम्पादक – डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6 हिंदी का गद्य साहित्य : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
7 मध्ययुगीन काव्य साधना : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, नवदीप प्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद।
8 हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ० बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
9 निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृति, डॉ० रामसजन पाण्डेय, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली।
10 हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ० राम सजनपाण्डेय, संजय प्रकाशन, दिल्ली।
11 हिंदी साहित्येतिहास दर्शन की भूमिका : डॉ० हरमहेन्द्र सिंह बेदी, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली।
12 हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त, भारतेंदु भवन, चण्डीगढ़।
13 हिंदी साहित्य का आदिकाल : डॉ० हरिश्चन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़।
14 हिंदी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना।
15 आधुनिक हिंदी साहित्य : लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, हिंदी परिषद् इलाहाबाद युनिवर्सिटी, इलाहाबाद।
16 हिंदी साहित्य चिन्तन : सम्पादक सुधाकर पाण्डेय, कला मन्दिर, नई सड़क, दिल्ली।
17 हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

निर्देश –

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खं डमें से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या आठ होगी। परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड में से कम से कम एक प्रश्न अर्थात् कुल चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम में कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

एम० ए० प्रथम सेमेस्टर
भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

(Core – 103)
Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे

पूर्णांक – 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30
लिखित परीक्षा – 70

1. भाषा –

- भाषा की परिभाषा और प्रवृत्ति
- भाषा के अध्ययन क्षेत्र
- भाषा की व्यवस्था और व्यवहार
- भाषा की संरचना
- भाषा के अध्ययन की दिशाएँ (वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक)

2. हिंदी भाषा का इतिहास –

- प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ (वैदिक एवं लौकिक संस्कृत)
- मध्य युगीन भारतीय आर्य भाषाएँ (पालि, प्राकृत, अपभ्रंश)
- आधुनिक आर्य भाषाएं एवं परिचय
- आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय : हार्नले और ग्रियर्सन का वर्गीकरण

3. हिंदी का विकासात्मक स्वरूप –

- हिंदी का उपभाषाएँ – पूर्वी तथा पश्चिमी हिंदी तथा उनकी बोलियाँ
- मानक हिंदी का स्वरूप
- काव्य – भाषा के रूप में अवधी का विकास
- काव्य – भाषा के रूप में ब्रज का विकास।
- साहित्यिक हिंदी के रूप में खड़ी बोली का विकास
- हिंदी की संवैधानिक स्थिति।

4. हिंदी का भाषिक स्वरूप –

- हिंदी की व्याकरणिक कोटियाँ – लिंग, वचन, पुरूष कारक और काल की व्यवस्था के सन्दर्भ में हिंदी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप।
- हिंदी के विविध रूप : बोली, भाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा।
- स्वन–परिभाषा एवं वर्गीकरण, स्वनिम– स्वरूप और वर्गीकरण
- वाक्य के प्रकार
  क) रचना की दृष्टि से
  ख) अर्थ की दृष्टि से

5. नागरी लिपि और हिंदी प्रचार–प्रसार –

- नागरी लिपि का नामकरण और विकास
- नागरी लिपि की वैज्ञानिकता एवं मानकीकरण
- नागरी लिपि की विशेषता
- भाषा विज्ञान और व्याकरण
- हिंदी प्रचार–प्रसार : प्रमुख व्यक्ति एवं प्रमुख संस्थाओं का योगदान

सहायक ग्रंथ

1 भाषा विज्ञान और मानक हिंदी – डॉ० नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, 4424 नई सड़क, दिल्ली–6, 2004 ई०

2 भाषा और हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ० नरेश मिश्र, हरियाणा साहित्य अकादमी, 169, सेक्टर–12, पंचकूला 2006 ई०

3 भाषा और भाषा विज्ञान – डॉ० नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली–94, 2004 ई०

4. भाषा विज्ञान एवं हिंदी – डॉ० नरेश मिश्र, राजपाल एण्ड संज, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली, 2007 ई०

5 हिंदी भाषा – डॉ० भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद, 2006 ई०

6 भाषा विज्ञान – डॉ० भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद, 2006 ई०

7 भाषा विज्ञान की भूमिका – प्रो० देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधा कृष्ण प्रकाशन, अंसारी रोड़, दरियागंज, दिल्ली–2, 2001 ई०

8 हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ० धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग 2000 ई०

9 हिंदी : उद्‌भव विकास और रूप – डॉ० हरदेव बाहरी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद। 1980 ई०

10 सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ० बाबू राम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1983 ई०

11 व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन – डॉ० दीप्ति शर्मा, बिहार ग्रंथ अकादमी कदमकुऑ, पटना, 2000 ई०

12 आधुनिक भाषा विज्ञान, कृपाशंकर सिंह – चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियांगज, दिल्ली। 2000 ई०

13 नागरी लिपि – डॉ० नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली। 2001 ई०

निर्देश –

1 पाठ्‌यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकम संख्या आठ होगी। परीक्षार्थी को इनमें से कोई चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

2 पूरे पाठ्‌यक्रम में कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3 पूरे पाठ्‌यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

एम० ए० प्रथम सेमेस्टर

General Elective – 1

विकल्प – I

नाटक एवं रंगमंच

(GEC – 104)

Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे

पूर्णांक – 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30

लिखित परीक्षा – 70

खंड – क

- हिंदी नाटक एवं रंगमंच : परिचयात्मक अध्ययन
- हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास
- नाटक और रंगमंच का अंतः संबंध
- हिंदी रंगमंच का उद्‌भव और विकास
- नाटक में दृश्य–श्रव्य तत्वों का सामंजस्य

खंड – ख

हिंदी रंगमंच, रंगशाला, अभिनेता, निर्देशक, दर्शक, रंग सज्जा, पारसी रंगमंच, पृथ्वी थियेटर, नुक्कड़ नाटक, इप्टा, नौटकीं प्रमुख संस्थाएं

खंड – ग

पाठ्‌य पुस्तकें –

- भारत दुर्दशाः भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
- अंधा युग : धर्मवीर भारती
- बकरी : सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

आलोच्य विषय –

- अंधा युग – नाट्‌य–काव्य की कसौटी पर मूल्यांकन, मूलसंवेदना, नामकरण की सार्थकता, प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण।
- बकरी – प्रतिपाद्य, प्रतीकात्मकता, अभिनेयता।
- भारत दुर्दशा – प्रतिपाद्य, प्रतीकात्मकता, युगीन परिदृश्य, अभिनेयता

निर्देश –

1 खंड क में से कुल तीन दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पाठ्‌य पुस्तक के लिए खंड ग में निर्धारित आलोच्य विषयों में से आंतरिक विकल्प के साथ दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे। दोनों प्रश्न करना अनिवार्य है। इस प्रकार परीक्षार्थी को कुल

तीन दीर्घ प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 9 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 27 अंक का होगा।

2 खंड ग में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से तीन–तीन अवतरण संदर्भ सहित व्याख्या के लिए पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होगी। प्रतयेक पुस्तक में से कम से कम एक व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।

3 खंड ख में निर्धारित टिप्पणियों में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।

4 पूरा पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

सहायक पुस्तकें –

1	रंगमंच	बलवंत गार्गी
2	हिंदी रंगमंच का इतिहास	चंदूलाल दुबे
3	नाटक के रंगमंच प्रतिमान	वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी
4	रंगदर्शन	नेमिचंद्र जैन
5	भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास	लक्ष्मीनारायण लाल
6	पारसी हिंदी रंगमंच	लक्ष्मीनारायण लाल
7	आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच	सं. – नेमिचंद्र जैन
8	भारतन्दु की नाट्य कथा	प्रेमनारायण शुक्ल
9	भारतेन्दु युगीन नाटक : संदर्भ सापेक्षता	रमेश गौतम
10	अन्धायुग और भारती के अन्य नाटक प्रयोग	जयदेव तनेजा
11	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : व्यक्ति और साहित्य	डॉ० कल्पना अग्रवाल
12	हिंदी नाटक चिंतक	डॉ० कुसम कुमार

एम० ए० प्रथम सेमेस्टर

General Elective – 2

विकल्प – II

हिंदी उपन्यास साहित्य

(GEC – 104)

Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे

पूर्णांक – 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30

लिखित परीक्षा – 70

खंड – क

हिंदी उपन्यास : उद्‌भव और विकास

- प्रेमचंद पूर्व हिंदी उपन्यास
- प्रेमचंदयुगीन हिंदी उपन्यास
- प्रेमचंदों युगीन हिंदी उपन्यास
  - सामाजिक उपन्यास
  - मनोवैज्ञानिक उपन्यास
  - ऐतिहासिक उपन्यास
  - आंचलिक उपन्यास
  - समकालीन हिंदी उपन्यास

खंड – ख

- निर्मला – प्रेमचंद
- विराटा की पद्यमिनी – वृन्दावन लाल वर्मा
- शेखर : एक जीवनी – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय
- मैला आंचल – फणीश्वर नाथ रेणु

सहायक पुस्तकें –

1 प्रेमचंद और उनका युग : डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली।

2 हिंदी उपन्यास पहचान और परख : डॉ० इंद्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली।

3 हिंदी उपन्यास : उद्‌भव और विकास : सुरेश सिन्हा, लोक भारती, इलाहाबाद।

4 हिंदी उपन्यास : स्थिति और गति : चंद्रकांत बांदिनडेकर, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली।

5 हिंदी उपन्यास : अन्तर्यात्रा : रामदरश मिश्र, राजकमल, दिल्ली।

6 आधुनिक हिंदी उपन्यास : सृजन और आलोचना : चंद्रकांत वाजपेयी।

7 हिंदी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग : हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।

8 एक नजर कृष्णा सोबती पर : रोहिणी, अखिल भारती प्रकाशन, दिल्ली।

9 हिंदी उपन्यास के प्रतिमान : डॉ० शशिभूषण सिंहल, कला मंदिर, दिल्ली।

10 इतिवृत्त की संरचना और संरूप : डॉ० रोहिणी अग्रवाल, आधार प्रकाशन, पंचकूला।

11 आंचलिक उपन्यास : संवेदना और शिल्प – डॉ० ज्ञानचंद गुप्त, अभिनव प्रकाशन

12 शेखर : एक जीवनी विविध आयाम – सं. डॉ० रामकमल राय

13 ऐतिहासिक उपन्यास – देवीशंकर अवस्थी

निर्देश –

1 खंड क में से कुल तीन दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड ग में निर्धारित आलोच्य विषयों में से आंतरिक विकल्प के साथ दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे। दोनों प्रश्न करना अनिवार्य है। इस प्रकार परीक्षार्थी को कुल तीन दीर्घ प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 9 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 27 अंक का होगा।

2 खंड ग में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से तीन–तीन अवतरण संदर्भ सहित व्याख्या के लिए पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होगी। प्रतयेक पुस्तक में से कम से कम एक व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।

3 खंड ख में निर्धारित टिप्पणियों में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।

4 पूरा पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

एम० ए० प्रथम सेमेस्टर

Ablity Enhancement course (AEC – 105)
(one from pool of course)

हिंदी भाषा : व्यवहारिक कौशल एवं अभिवृद्धि–I Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे
पूर्णांक – 50
आंतरिक मूल्यांकन – 15
लिखित परीक्षा – 35

खंड – क

हिंदी पत्रकारिता :

- पत्रकारिता – परिभाषा, स्वरूप महत्त्व एवं वर्गीकरण
- हिंदी पत्रकारिता : उद्भव और विकास
- संवादाता के गुण
- सम्पादक और सम्पादन
- समाचार के स्त्रोत
- प्रेस विज्ञप्ति

खंड – ख

मीड़िया लेखन एवं प्रस्तुतीकरण :

- समाचार लेखन और प्रस्तुतीकरण (आकाशवाणी)
- समाचार लेखन और प्रस्तुतीकरण (दूरदर्शन)
- उद्घोषक (आकाशवाणी, रेडियो, दूरदर्शन)
- मंच संचालन
- मीडिया रिर्पोटिंग

खंड – ग

साहित्य लेखन :

- लधुकथा
- बाल साहित्य
- नाटक लेखन
- कहानी लेखन
- फीचर लेखन
- साक्षात्कार

निर्देश –

1 पाठ्यक्रम में निर्धारिण प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या चार होगी जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।

2 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 8 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से 5 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1–1 अंक का होगा।

सहायक पुस्तकें –

1 पत्रकारिता के सिद्धान्त – डॉ० रमेश चन्द्र त्रिपाठी II संस्करण, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली।

2 रेड़ियों औ दूरदर्शन पत्रकारिता – डॉ० हरिमोहन, प्रथम संस्करण, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।

3 इलेक्ट्रानिक मीडिया – पी० के० आर्य, प्रतिभा प्रतिष्ठान, दरियागंज, दिल्ली।

4 आधुनिक पत्रकारिता – डॉ० अर्जुन तिवारी, प्रथम संस्करण 1984, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

5 रेड़ियों और दूरदर्शन पत्रकारिता – डॉ० हरिमोहन, प्रथम संस्करण 1977, तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।

6 हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार – डॉ० ठाकुर दत्त शर्मा 'आवोम' वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली–2000।

7 संचार से जनसंचार – रूप चंद गौतम श्री नटराज प्रकाशन, नई दिल्ली, वर्ष 2005।

एम० ए० प्रथम सेमेस्टर

Credit-02

Skill Enhancement course (SEC – 105)

(one from pool of course)

हिंदी भाषा एवं तकनीकी Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे **कौशल –I** पूर्णांक – 50

आंतरिक मूल्यांकन – 15

लिखित परीक्षा – 35

खंड – क

- हिंदी टंकण एवं मुद्रण (Hindi Typing and Printing)
- कम्प्यूटर पर हिंदी टाइपिंग
- हिंदी टाइपिंग की विधियाँ
- हिंदी के की बोर्ड ले आउट

खंड – ख

- प्रूफ रीडिंग
- पठन एवं संशोधन
- प्रूफ रीडिंग का महत्त्व
- प्रूफ रीडिंग की आवश्यकता

खंड – ग

- कम्प्यूटर परिचय और महत्त्व
- कम्प्यूटर संरचनात्मक स्वरूप
- कम्प्यूटर और कोश निर्माण
- कम्प्यूटर में हिंदी वर्णमाला तथा वर्तनी के मानकीकरण की समस्या
- कम्प्यूटर में हिंदी की–बोर्ड (Keyboard) के विविध रूप

खंड – घ

- इण्टरनेट
- सोशल मीडिया
- पी.पी.टी. निर्माण (PPT Presentation)
- ई–मेल
- साइबर अपराध

निर्देश –

1 पाठ्यक्रम में निर्धारिण प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या चार होगी जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।

2 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 8 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से 5 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1–1 अंक का होगा।

सम्बन्धित पुस्तकें –

1 कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग एवं आपरेटिव गाइड – शशांक जौहरी, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली।

2 कम्प्यूटर और हिंदी – हरिमोहन, तक्षशिक्षा प्रकाशन, दिल्ली।

3 कम्प्यूटर सिद्धान्त और तकनीक – राजेन्द्र कुमार, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली।

4 राजभाषा हिंदी – कैलाश चन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन

एम० ए० प्रथम सेमेस्टर

Credit-02
Value addition course (VAC – 107)
(one from pool of course)

हिंदी काव्य : राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना

Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे

पूर्णांक – 50
आंतरिक मूल्यांकन – 15
लिखित परीक्षा – 35

इकाई – I

- हिंदी राष्ट्रीय काव्य धारा का परिचय
- आधुनिक हिंदी साहित्य में अभिव्यक्त राष्ट्रीय चेतना
- हिंदी राष्ट्रीय काव्य धारा में व्यक्त नैतिक मूल्य
- आधुनिक सन्दर्भ में – भारतीय युवा एवं राष्ट्र

इकाई – II

क) मैथिलीशरण गुप्त –
- भारत माता का मन्दिर यह
- आर्य
- निवेदन
- नर हो न निराश करो मन को

ख) रामधारी सिंह दिनकर
- कलम आज उनकी जय बोल
- सिंहासन खाली करो
- हिमालय
- दिल्ली

ग) माखनलाल चतुर्वेदी
- पुष्प की अभिलाषा
- कैदी और कोकिला
- सागर खड़ा बेडियाँ तोड़े
- सिपाही

घ) सुभद्रा कुमारी चौहान –
- जलियाँवाला बाग में बसंत

- झाँसी की रानी
- वीरों का कैसा हो बसन्त
- स्वदेश के प्रति

पाठ्य पुस्तकें –

1 प्रतिनिधि कविताएँ – मैथिलीशरण गुप्त, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

2 प्रतिनिधि कविताएँ – रामधारी सिंह दिनकर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

3 प्रतिनिधि कविताएँ – माखनलाल चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

4 प्रतिनिधि कविताएँ – सुभद्रा कुमार चौहान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

5 राष्ट्रीय काव्यधारा – सम्पादक डॉ० कन्हैया सिंह वाणी प्रकाशन, दिल्ली

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित प्रश्नों में कुल तीन प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को जिनमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 10 अंकों का होगा।

2 खंड ख में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से चार अवतरण व्याख्या के लिए पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 10 अंको का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 6 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से विद्यार्थी को 150 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रतयेक प्रश्न 2 अंकों का होगा। जबकि पूरा प्रश्न 8 अंकों का होगा।

4. पूरे पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

<u>एम० ए० (हिंदी) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)</u>

1. **Core Coruse**	Title	Credits
CC201	आधुनिक हिंदी कविता–II	4
CC202	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4
CC203	भारतीय काव्यशास्त्र	4
2. General Elective Course		
GEC204 (One from pool of course)	हिंदी साहित्य और सिनेमा हिंदी भाषा और मीडिया	4
3. Ability Enhancement Course		
AEC205 (One from pool of course)	हिंदी भाषाः व्यवहारिक कौशल एवं अभिवृद्धि–II	2
4. Skill Enhancement Course		
SEC206 (One from pool of course)	हिंदी भाषा एवं तकनीकी कौशल–II	2
5. Value Addition Course		
VAC207 (One from pool of course)	हिंदी कथा साहित्य एवं सामाजिक मूल्य	2 ------ 22

एम० ए० (हिंदी) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

आधुनिक हिंदी कविता – II

(Core – 201)
Credit - 04
Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे

पूर्णांक – 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30
लिखित – 70

Course Objective –
आधुनिक हिंदी कविता का विश्लेषणात्मक ज्ञान
आधुनिक हिंदी कविता के विविध रूप
Course Learning outcomes :
आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों की समझ
आधुनिक हिंदी कविता के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की उत्कृष्ट रचनाओं का अध्ययन।

पाठ्य विषय

इकाई – क

सच्चिदानन्द हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय : असाध्य वीणा, सोन मछली, एक बूँद सहसा उछली

नागार्जुन : चन्दू मैंने सपना देखा, बादल को घिरते देखा है, बाकी बच गया अण्डा, अकाल और उसके बाद, मास्टर, शासन की बन्दूक, आओ रानी हम ढोयेंगे पालकी, तीन दिन तीन रात।

गजानन माधव मुक्तिबोध : अंधेरे में, भूल गलती

रघुवीर सहाय : पढ़िए गीता, किले में औरत, बड़ी हो रही है लकड़ी, रामदास, औरत की चीख, पैदल आदमी, पानी पानी बच्चा बच्चा।

इकाई – ख

आलोच्य विषय

अज्ञेय : प्रयोगवादी परम्परा और अज्ञेय, अज्ञेय का काव्य वैशिष्ट्य, अज्ञेय की असाध्य वीणा का प्रतिपाद्य, काव्य भाषा

नागार्जुन : नागार्जुन का काव्य वैशिष्ट्य, यथार्थ चेतना और लोक दृष्टि, राजनीतिक दृष्टि, नागार्जुन की काव्य भाषा, काव्य शिल्प

गजानन माधव मुक्तिबोध : मुक्तिबोध का काव्य संसार, मुक्ति बोध की विश्व दृष्टि, सामाजिक चेतना, काव्य शिल्प

रघुवीर सहाय : स्वातन्त्रयोत्तर युग और रघुवीर सहाय की कविता, रघुवीर सहाय का राजनैतिक परिप्रेक्ष्य, रघुवीर सहाय की कविताओं में सामाजिक यथार्थ, काव्य वैशिष्ट्य

सहायक ग्रंथ

1 नागार्जुन का रचना संसार : सम्पा० विजय बहादुर सिंह
2 आलोचना का नागार्जुन विशेषांक
3 सागर से शिखर तक : राम कमल राय (लोकभारती)
4 पूर्वग्रह का अज्ञेय अंक

5 फिलहाल : अशोक वाजपेयी
6 रघुवीर सहाय का कवि कर्म : सुरेश शर्मा
7 रघुवीर सहाय : सम्पादक विष्णुनागर और असद जैदी, आधार प्रकाशन, पंचकूला।
8 अज्ञेय कवि : डॉ० ओम प्रकाश अवस्थी
9 अज्ञेय की रचना संसार : सम्पादक गंगा प्रसाद विमल
10 अज्ञेय की कविता एक मूल्यांकन : डॉ० चन्द्रकांत वांदिवडेकर
11 अज्ञेय : कवि और काव्य : डॉ० राजेन्द्र प्रसाद
12 अज्ञेय : सृजन और संघर्ष
13 अज्ञेय : सम्पादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
14 आज के प्रतिनिधि कवि अज्ञेय : डॉ० विद्या निवास मिश्र
15 नागार्जुन की कविता : डॉ० अजय तिवारी
16 नागार्जुन की काव्य यात्रा : रतन कुमार पाण्डेय
17 नागार्जुन की कविता में युगबोध : चन्द्रिका ठाकुर
18 नागार्जुन और उनका रचना संसार : विजय बहादुर सिंह
19 आलोचना नागार्जुन विशेषांक 1981
20 नागार्जुन का काव्य और युग : अंतः संबंधों का अनुशीलन – जगन्नाथ पंडित
21 मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया : अशोक चक्रधर
22 मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना : नन्द किशोर नवल
23 मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब : चंचल चौहान
24 मुक्तिबोध की आत्मकथा : विष्णु चंद शर्मा
25 मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता : डॉ० लल्लन राय मंथन पब्लिकेशंस, रोहतक।
26 अज्ञेय की काव्य चेतना : डॉ० कृष्ण भावुक, साहित्य प्रकाशन, भालीवाड़ा दिल्ली।

निर्देश –

1 इकाई क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंकों का होगा।

2 प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए इकाई–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

एम० ए० (हिंदी) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

(Core – 202)
Credit - 04
Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे

पूर्णांक – 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30
लिखित – 70

Course Objective –
हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान
इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और विभिन्न युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना।
Course Learning outcomes :
इतिहास लेखन और इतिहास की समझ विकसित होगी
हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

इकाई–I

- **आधुनिक हिंदी साहित्येतिहास**
  परिवेश : राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, साहित्यिक, 1857 ई० की राज्यक्रांति और पुनर्जागरण
- **भारतेंदु युग :** प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
- **द्विवेदी युग :** प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
- **छायावादी काव्य :** प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

इकाई–II

- **उत्तर छायावादी काव्य :** प्रतिनिधि रचनाकार एवं प्रवृतियाँ
- प्रगतिवाद : प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
- प्रयोगवाद : प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
- नई कविता : प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
- नवगीत : प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
- समकालीन कविता : प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

इकाई–III

- **हिंदी गद्य विधाओं का उद्भव और विकास**
  - कहानी
  - उपन्यास
  - नाटक
  - निबंध
  - संस्मरण
  - आत्मकथा
  - जीवनी

इकाई–IV

- **हिंदी के प्रचार में योगदान देने वाली प्रमुख संस्थाएं –** नागरी प्रचारिणी सभा (वाराणसी), हिंदी साहित्य सम्मेलन (प्रयाग), बिहार राष्ट्रभाषा परिषद (पटना), दक्षिण भारत प्रचार समिति (चेन्नई), केन्द्रीय हिंदी संस्थान (आगरा), केंन्द्रीय सचिवालय हिंदी परिषद (दिल्ली), वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग (नई दिल्ली)
- **हिंदी की प्रमुख पत्रिकाएँ –** कविवचन सुधा, हिंदी प्रदीप, आनन्द कादम्बिनी, ब्राह्मण, सरस्वती, प्रताप, मर्यादा, सुधा, माधुरी, मतवाला, विशाल भारत, चाँद, हंस, धर्मयुग, हरिगंधा, तद्भव
- **हिंदी के प्रमुख आन्दोलन –** ब्रजभाषा बनाम खड़ी बोली आन्दोलन, खड़ी बोली आन्दोलन छायावादी आन्दोलन, छायावादोत्तर आन्दोलन, नई कविता आन्दोलन, नई कहानी आन्दोलन, हिंदी लेखन से सम्बन्धित अन्य महत्वपूर्ण आन्दोलन

पठनीय पुस्तकें

1 हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2 हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ० रामकुमार वर्मा, रामनारायण लाल, बेनी प्रसाद, इलाहाबाद।
3 हिंदी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4 हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, अत्तर चंद कपूर एण्ड संस, दिल्ली।
5 हिंदी साहित्य का इतिहास : सम्पादक – डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6 हिंदी का गद्य साहित्य : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
7 मध्ययुगीन काव्य साधना : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, नवदीप प्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद।
8 हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ० बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
9 निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृति, डॉ० रामसजन पाण्डेय, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली।
10 हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ० रामसजन पाण्डेय, संजय प्रकाशन, दिल्ली।
11 हिंदी साहित्येतिहास दर्शन की भूमिका : डॉ० हरमहेन्द्र सिंह बेदी, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली।
12 हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त, भारतेंदु भवन, चण्डीगढ़।
13 हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ० बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
14 हिंदी साहित्य का सरल इतिहास : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
15 आधुनिक हिंदी साहित्य : लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, हिंदी परिषद् इलाहाबाद युनिवर्सिटी, इलाहाबाद।
16 हिंदी साहित्य चिन्तन : सम्पादक सुधाकर पाण्डेय, कला मन्दिर, नई सड़क, दिल्ली।
17 हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

<u>निर्देश –</u>

1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कुल 8 प्रश्न पूछे जाएगें। परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम में कोई दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

एम० ए० (हिंदी) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

भारतीय काव्यशास्त्र (Core – 203)

Credit – 04

Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे

पूर्णांक – 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30

लिखित – 70

Course Objective –

भारतीय काव्यशास्त्र की समझ विकसित होगी।

कृतियों के विश्लेषण हेतु भारतीय चिंतन का पक्ष स्पष्ट होगा।

Course Learning outcomes :

भारतीय काव्यशास्त्र की जानकारी अतीत और वर्तमान की कृतियों के बीच आलोचनात्मक सम्बन्ध निर्माण करती है।

भारतीय चिंतन परम्परा की समझ विकसित होगी।

इकाई–I

काव्य : स्वरूप और प्रकार

- काव्य : अर्थ, परिभाषा, काव्य लक्षण, काव्य के तत्व, काव्य सृजन की प्रक्रिया
- काव्य – हेतु
- काव्य – प्रयोजन
- काव्य – भेद : महाकाव्य, खंडकाव्य, गीतिकाव्य, चम्पूकाव्य

इकाई–II

रस–सिद्धान्त

- रस : परिभाषा और स्वरूप
- रस–निष्पत्ति
- साधारणीकरण
- सहृदय की अवधारणा

इकाई–III

- **अलंकार सिद्धान्त :** स्वरूप तथा स्थापनाएँ, अलंकार के भेद–उपभेद
- **रीति सिद्धान्त :** स्वरूप तथा स्थापनाएँ, रीति के भेद–उपभेद
- **ध्वनि सिद्धान्त :** स्वरूप तथा स्थापनाएँ, ध्वनि के भेद–उपभेद, गुणीभूत व्यंग्य, चित्र काव्य
- **वक्रोक्ति सिद्धान्त :** स्वरूप तथा स्थापनाएँ, वक्रोक्ति के भेद–उपभेद
- **औचित्य सिद्धान्त :** स्वरूप तथा स्थापनाएँ

इकाई–IV

हिंदी के प्रमुख आलोचक तथा उनकी आलोचना दृष्टि

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- डॉ० रामविलास शर्मा
- डॉ० नगेन्द्र

सहायक ग्रंथ

1 काव्यशास्त्र–भगीरथ म्श्रि, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

2 हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास–भगीरथ मिश्र, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।

3 भारतीय काव्यशास्त्र–योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

4. भारतीय काव्यशास्त्र – सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली।

5 काव्य के रूप – गुलाबराय, प्रतिभा प्रकाशन मंदिर, दिल्ली।

6 साहित्याचलोचन – श्यामसुन्दरदास, इण्डियन प्रैस, प्रयाग।

7 हिंदी आलोचना : उद्‌भव और विकास– भगवत स्वरूप मिश्र, साहित्य सदन, देहरादून।

8 आलोचक और आलोचना–बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली।

9 प्रगतिशील हिंदी आलोचना की रचना प्रक्रिया – हौसिला प्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

10 साहित्य का आधार दर्शन–जयनाथ 'नलिन', आलोक प्रकाशन, भिवानी।

11 साहित्य और अध्ययन – गुलाबराय, आत्माराम एण्ड सन्ज, दिल्ली।

12 हिंदी आलोचना का विकास – डॉ० सुरेश सिन्हा, रामा प्रकाशन, लखनऊ।

13 हिंदी आलोचना की परिभाषिक शब्दावली – डॉ० अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

निर्देश –

1. निर्धारित पाठ्‌यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कुल 8 प्रश्न पूछे जाएगें। परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

2 पूरे पाठ्‌यक्रम में कोई दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3 पूरे पाठ्‌यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

<u>एम० ए० (हिंदी) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)</u>
हिंदी साहित्य और सिनेमा

General Elective Course — Credit – 04
(One from pool of course) — (GEC – 204)
Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे — पूर्णांक – 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30
लिखित – 70

Course Objective –
हिंदी साहित्य और सिनेमा का विश्लेषणात्मक ज्ञान
हिंदी साहित्य और सिनेमा की प्रस्तुति माध्यमों का व्यवहारिक प्रयोग
Course Learning outcomes :
हिंदी साहित्य और सिनेमा की सैद्धान्तिक समझ
सिनेमा और साहित्य जगत के विश्लेषण की क्षमता

इकाई – 1
सिनेमा का इतिहास

- भारत में सिनेमा का उद्भव और विकास
- मूक सिनेमा का दौर (1913–1931)
- हिंदी सिनेमा का आरंभिक युग (1931–1947)
- स्वतंत्रता के पश्चात् हिंदी सिनेमा (1947–1991)
- वैश्वीकरण के पश्चात् हिंदी सिनेमा (1991 से अबतक)

इकाई – 2
सिनेमा का स्वरूप और प्रवृत्तियाँ

- सिनेमा का स्वरूप
- सिनेमा के प्रकार (प्रयोगात्मक, कलात्मक एवं व्यवसायिक सिनेमा)
- सिनेमा और भारतीय समाज
- भारत में भाषाई सिनेमा
- दर्शक और स्क्रीन का सम्बन्ध

इकाई–3
भाषा, साहित्य और सिनेमा

- हिंदी साहित्य और सिनेमा का संबंध
- हिंदी भाषा के प्रसार में हिंदी सिनेमा का योगदान
- हिंदी सिनेमा में हिंदी की स्थिति
- हिंदी सिनेमा और भाषा के बदलते समसामयिक सन्दर्भ
- फिल्म समीक्षा : परिचय और प्रासंगिकता

इकाई–4
साहित्यिक कृतियाँ और फिल्में –

1. पिंजर – (उपन्यास), लेखिका – अमृता प्रीतम, फिल्म – पिंजर, निर्देशक – चंद्रप्रकाश द्विवेदी
2. मारे गए गुलफाम उर्फ तीसरी कसम – (कहानी), लेखक – फणीश्वर नाथ रेणु, फिल्म – तीसरी कसम, निर्देशक – वासुभट्टाचार्या
3. गुनाहों के देवता (उपन्यास) – लेखक – धर्मवीर भारती, फिल्म – गुनाहों का देवता, निर्देशक – कंवल शर्मा
4. यही सच है (कहानी) – लेखिका – मन्नू भण्डारी, फिल्म – रजनीगंधा, निर्देशक – बासुचटर्जी

आलोच्य विषय – वर्ण्य विषय, प्रमुख पात्र एवं चारित्रिक विशेषताएँ, उद्देश्य

निर्देश –

1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कुल 8 प्रश्न पूछे जाएगें। परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।
2 पूरे पाठ्यक्रम में से दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक व्याख्या के लिए 4 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
3 पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

सहायक पुस्तकें –

1 हिन्दी सिनेमा का इतिहास – संजीव श्रीवास्तव, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
2 लेखक का सिनेमा – कुंवर नारायण
3 पटकथा लेखन – मनोहर श्यामजोशी
4 Film Theory – An introduction through the success by Thomas Elsaepser and Malte Hangener
5 हिंदी सिनेमा सदी का सफर – अनिल भार्गव
6 साहित्य सिनेमा और समाज – पूरनचंद टण्डन, सुनील कुमार तिवारी
7 भारतीय सिनेमा का सफरनामा – सं. जयसिंह
8 समय सिनेमा और इतिहास – संजीव श्रीवास्तव
9 सिनेमा का जादुई सफर – प्रताप सिंह
10 हिन्दी सिनेमा का समाजशास्त्र – पारख जवरीमल्ल
11 भूमण्डलीकरण और भारतीय सिनेमा – पारख जवरीमल्ल
12 हिन्दी सिनेमा के 100 वर्ष – दिलचस्प (नारायण सिंह राजावत), भारतीय पुस्तक परिषद
13 हिन्दी फिल्मों का संक्षिप्त इतिहास – दिलचस्प (नारायण सिंह राजावत) सामयिक प्रकाशन।

एम० ए० (हिंदी) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)
हिंदी भाषा और मीडिया

General Elective Course — Credit – 04
(One from pool of course) — (GEC – 204)
Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे — पूर्णांक – 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30
लिखित – 70

Course Objective –
हिंदी भाषा और मीडिया का विश्लेषणात्मक ज्ञान।
हिंदी मीडिया संरचना और कार्यों की समझ।
Course Learning outcomes :
मीडिया के कार्य, क्षेत्र तथा वैश्विक प्रभावों की समझ विकसित करना।
हिंदी भाषा और मीडिया के अंतः सम्बन्धों पर प्रकाश डालना।

इकाई–I
भाषा, संचार और समाज

- भाषा और समाज
- भाषा और संचार
- हिंदी भाषाई समाज का स्वरूप और क्षेत्र
- सामाजिक सन्दर्भ और भाषा वैविध्य

इकाई–II
जनसंचार एवं विभिन्न माध्यम (मीडिया)

- जनसंचार एवं मीडिया : स्वरूप और महत्व
- मीडिया के प्रकार (प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया)
- मीडिया लेखन : अवधारणा एवं प्रकार
- हिंदी के प्रमुख समाचार–पत्र

इकाई–III
इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया में हिंदी

- प्रमुख हिंदी चैनल
- आकाशवाणी, निजी एफ एम रेडियो और हिंदी
- इलैक्ट्रोनिक एवं डिजिटल मीडिया और हिंदी भाषा
- इलैक्ट्रोनिक एवं डिजिटल मीडिया और हिंदी की चुनौतियाँ

इकाई–IV
मीडिया के भाषाई सरोकार और हिंदी

- हिन्दी मीडिया और वैश्विकरण
- मीडिया में हिंदी और भाषाई शुद्धता

- मीडिया में रोजगार और हिंदी
- हिंदी मीडिया और तकनीकी प्रयोग

सहायक पुस्तकें –

1 हिन्दी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा
2 हिन्दी भाषा : स्वरूप और विकास – कैलाश चंद्र भाटिया
3 हिन्दी भाषा : हरदेव बाहरी
4 हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
5 मीडिया का अंडरवर्ल्ड : दिलीप मंडल
6 इलेक्ट्रानिक मीडिया – अजय कुमार सिंह
7 भारत में जनसंचार और प्रसारण मीड़िया – मधुकर लेले
8 न्यू मीडिया इंटरनेट की भाषायी चुनौतियाँ और सम्भवनाएं – आर० अनुराधा
9 संस्कृति विकास और संचार क्रांति – पी० सी० जोशी
10 मीडिया की बदलती भाषा – अजय कुमार सिंह
11 जनमाध्यम सैद्धान्तिकी – सुधा सिंह
12 सूचना का अधिकार – विष्णु राजगढ़िया, अरविदं केजरीवाल
13 लोक आख्यान परम्परा और परिदृश्य – श्याम सुन्दर दूबे।
14 भाषाई अस्मिता और हिन्दी – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

निर्देश –

1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कुल 8 प्रश्न पूछे जाएगें। परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।
2 पूरे पाठ्यक्रम में से दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक व्याख्या के लिए 4 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
3 पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

एम० ए० (हिंदी) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)
हिंदी भाषा व्यवहारिक कौशल एवं अभिवृद्धि– II

Ability Enhacement Course — Credit – 02
(One from pool of course) — (AEC – 205)

समय : 3:00 घण्टे — पूर्णांक – 50
आंतरिक मूल्यांकन – 15
लिखित – 35

Course Objective –
हिंदी भाषा, सम्प्रेषण कौशल एवं समीक्षा का व्यवहारिक ज्ञान।
हिंदी कमेन्ट्री (आँखों देखा हाल) की प्रस्तुति हेतु विश्लेषणात्मक ज्ञान।
Course Learning outcomes :
हिंदी भाषा, सम्प्रेषण, पुस्तक समीक्षा की सैद्धान्तिक समझ।
आँखों देखा हाल (कमेन्ट्री) के लिए आवश्यक गुण विकसित करना।

इकाई – 1

- सम्प्रेषण का अर्थ
- सम्प्रेषण के विविध रूप
- सम्प्रेषण के प्रयोजन
- सम्प्रेषण की प्रक्रिया
- सफल सम्प्रेषण एवं अवरोध

इकाई – 2

- पुस्तक समीक्षा से अभिप्राय
- पुस्तक समीक्षा और आलोचना में अन्तर
- पुस्तक समीक्षा का महत्व
- अच्छे समीक्षक के गुण
- पुस्तक समीक्षा की विशेषताएँ

इकाई–3

- सृजनात्मकता का अर्थ एवं परिभाषा
- सृजनात्मकता के तत्व
- सृजनात्मकता के सिद्धान्त
- रेडियो, टी०वी० में लिए सृजनात्मक लेखन के क्षेत्र, प्रविधि और प्रक्रिया

इकाई–4

- आँखों देखा हाल (कमेंट्री) का तात्पर्य एवं प्रकार
- आँखों देखा हाल (कमेंट्री) की उपयोगिता
- कमेंटेटर की विशेषताएँ
- कमेंट्री से पूर्व तैयारी
- आँखों देखा हाल (कमेंट्री) सम्बन्धी आवश्यक बातें
- विभिन्न प्रकार की कमेंट्री।

निर्देश –

1 पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या चार होगी। जिनमें से विद्यार्थी को दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 14 अंक का होगा।

2 पूरे पाठ्यक्रम में से 8 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक व्याख्या के लिए चार अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

सहायक पुस्तकें –

1 हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण – डॉ० बलबीर कुन्द्रा, सतीश बुक डिपो
2 भाषा शिक्षण – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3 हिन्दी भाषा का समाजशास्त्र – राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4 जनमाध्यम और पत्रकारिता – प्रवीण दीक्षित, सहयोगी संस्थान, जयपुर।
5 साक्षात्कार – डॉ० रामविलास शर्मा से बातचीत, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6 क्रिकेट कमेंट्री बाक्स से – रवि चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
7 सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद : सुरेश सिंघल, पूरनचंद टण्डन
8 आँखों देखा हाल – सुशील दोशी

एम० ए० (हिंदी) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)
हिंदी भाषा एवं तकनीकी कौशल – II

Credit-02

Skill Enhancement course (SEC – 206)
(one from pool of course)

Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे

पूर्णांक – 50
आंतरिक मूल्यांकन – 15
लिखित – 35

Course Objective –

विभिन्न प्रकार के पत्रों (सरकारी–अर्द्धसरकारी एवं व्यवहारिक पत्रों) का विश्लेषणात्मक एवं कौशलपरक ज्ञान।

जनसंचार के विभिन्न माध्यमों का परिचय।

Course Learning outcomes :

पत्र लेखन तथा सरकारी तथा प्राइवेट कार्यालय में कार्य करने के अनुरूप कौशल प्रदान करना।

अनुवाद तथा विज्ञापन के विभिन्न क्षेत्रों का अध्ययन प्रदान करना।

इकाई – I

- संक्षेपण
- पल्लवन
- टिप्पण
- प्रारूप (मसौदा लेखन)
- प्रतिवेदन (रिर्पोट) लेखन

इकाई–II

- कार्यालय आदेश
- कार्यालय ज्ञापन
- अधिसूचना एवं संकल्प
- सरकारी पत्र
- अर्द्ध सरकारी पत्र
- व्यवसायिक पत्र
- निमंत्रण पत्र
- बधाई पत्र

इकाई – III

- विज्ञापन का अर्थ और परिभाषा
- विज्ञापन के प्रकार (मुद्रित, रेडियो एवं टेलीविजन)
- विज्ञापन का वर्गीकरण (निश्चित पाठक – श्रोता – दर्शक वर्ग, भौगोलिक क्षेत्र, प्रयुक्त विज्ञापन माध्यम)

- विज्ञापन में रचनात्मक प्रतिलेखन –
  (क) प्रभावी प्रतिलेखन की विशेषताएँ
  (ख) मुद्रित विज्ञापनों के लिए प्रतिलेखन
  (ग) रेडियों विज्ञापनों के लिए प्रतिलेखन
  (घ) टेलीविजन विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट लेखन

इकाई – IV

- अनुवाद : परिभाषा अर्थ एवं स्वरूप
- अनुवाद का महत्व एवं प्रासंगिकता
- अनुवाद के प्रकार
- अनुवाद के क्षेत्र
- अनुवाद की समस्या और चुनौतियाँ

सहायक पुस्तकें –

1. राजभाषा हिंदी – कैलाश चंद्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रशासनिक हिंदी, – महेश चंद्र गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. व्यवहारिक हिंदी और स्वरूप – वाणी प्रकाशन हिंदी, नई दिल्ली
4. व्यवहारिक पत्र–लेखन कला – डॉ० डी.एस.पोखरिया, तक्षशिक्षा प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. प्रयोजन मूलक कामकाजी हिंदी – डॉ० कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिक्षा प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. व्यावसायिक हिंदी – डॉ० भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली।
7. जनमाध्यम और पत्रकारिता, प्रवीण दीक्षित, सहयोगी साहित्य संस्थान, कानपुर
8. पत्रकार कला, विष्णुदत्त शुक्ल, सहयोगी, प्रकाशन, कानपुर
9. अनुवाद विज्ञान : सिद्धान्त एवं प्रवितिध – किताब घर प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण – प्रो० हरि मोहन, तक्षशिक्षा प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली
11. अनुवाद अध्ययन का परिदृश्य देवीशंकर नवीन, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली
12. Advertising – Jaishri J. Jethwaney (Phenix Publishing, New Delhi, 1999)
13. Creative advertising – David Bernstain (UK – Longman, 1974)

निर्देश –

1. पाठ्यक्रम में निर्धारिण प्रत्येक इकाई में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए प्रश्नों की अधिकतम संख्या चार होगी। जिमनें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 8 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से 5 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1–1 अंक का होगा।

एम० ए० (हिंदी) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)
हिंदी कथा साहित्य एवं सामाजिक मूल्य

Credit-02

Value Addition course (VAC – 207)

(one from pool of course)

Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे

पूर्णांक – 50

आंतरिक मूल्यांकन – 15

लिखित – 35

Course Objective –

हिंदी कथा साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान।

सामाजिक मूल्यों पर आधारित हिंदी कथा साहित्य का अध्ययन।

Course Learning outcomes :

हिंदी साहित्य के कथा साहित्य का विशिष्ट ज्ञान।

प्रमुख हिंदी कहानियों के सामाजिक मूल्यों के विविध पक्ष का उद्घाटन।

इकाई–I

- साहित्य और समाज का अंतः सम्बन्ध
- बदलता समाज मनोविज्ञान और हिन्दी कहानियाँ
- समसामयिक हिंदी कथा साहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक मूल्य
- कथा साहित्य के बदलते वैश्विक सन्दर्भ
- वर्तमान हिंदी कथा साहित्य में सामाजिक मूल्य – चुनौतियाँ और समाधान

इकाई – II

कथा साहित्य

1. बडे घर की बेटी – प्रेमचंद
2. परदा – यशपाल
3. आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
4. मलबे का मालिक – मोहन राकेश
5. चीफ की दावत – भीष्म साहनी
6. जिंदगी और जोंक – अमरकान्त
7. जिनावर – चित्रा मुद्गल
8. वापसी – उषा प्रियवंदा
9. जहाँ लक्ष्मी कैद है – राजेन्द्र यादव
10. एक और विवाह – मृदुला गर्ग

निर्देश –

1 इकाई I में निर्धारित प्रश्नों में से कुल तीन प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 10 अंकों का होगा।

2 इकाई II में निर्धारित कहानियों में से 4 अवतरण व्याख्या के लिए पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं 2 अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई छः लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिमनें से विद्यार्थी को 150 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

4. पूरे पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1–1 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 7 अंकों का होगा।

सहायक पुस्तकें –

1. आज की हिन्दी कहानी – विजयमोहन, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद
2. आधुनिक हिंदी कहानी – गंगा प्रसाद विमल, भारत मृदणालय, दिल्ली
3. कहानी नई कहानी – नामवर सिंह, लोक भारती प्रकाशन – इलाहाबाद
4. स्वातंत्रोत्तर हिंदी कहानी में सामाजिक परिवर्तन – डॉ० भैरूलाल गर्ग
5. हिंदी कहानी अपनी जुबानी – डॉ० इन्द्रनाथ मदान चित्रलेखा प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. उषा प्रियवंदा की कहानियों में छूटते जीवन मूल्यों का यथार्थ चित्रण, अविनाश महाजन, शैलजा प्रकाशन, कानपुर।
7. मानव मूल्य और साहित्य – डॉ० धर्मवीर भारती
8. नागार्जुन के कथा साहित्य में जीवन मूल्य – डॉ० सरिता वर्मा
9. हिंदी कथा साहित्य विचार और विमर्श – चचंल चौहान
10. हिंदी की श्रेष्ठ 21 कहानियाँ – सम्पादक जैनेन्द्र
11. हिंदी कथा साहित्य में पाश्चात्य प्रभाव – कृष्ण बिहारी पाण्डेय

एम० ए० (हिंदी) द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

1. **Core Coruse**	**Title**	**Credits**
CC301	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य–I	4
CC302	आधुनिक गद्य साहित्य	4
CC303	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4
2. **General Elective Course**		
GEC 304 (One from pool of course)	साहित्य चिंतन के विविध आयाम / हिंदी भाषा और लोक साहित्य	4
3. **Skill Enhancement Course**		
SEC or PTI Project / Training / Internship (One from pool of course)	व्यावहारिक एवं प्रायोगिक हिंदी अनुवाद	6
		------ 22

एम० ए० (हिंदी) द्वितीय वर्ष
(तृतीय सेमेस्टर)
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य–I

Core - CC301
Paper Code -
पूर्णांक – 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30
लिखित – 70

समय : 3:00 घण्टे

Course Objective –
हिंदी साहित्य के पूर्व–मध्यकालीन इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान
Course Learning outcomes :
हिंदी साहित्य के पूर्व मध्यकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख कवियों एवं उनकी कविता की समझ विकसित होगी।

इकाई – क

क) **निर्धारित पाठ्य पुस्तकें**

i) **गोरखबानी**
सम्पादक – पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल
निर्धारित पद (1–20 पद)

ii) **पृथ्वीराज रासो**
सम्पादक – माता प्रसाद गुप्त
पद्मावती समय (खण्ड)

iii) **विद्यापति की पदावली**
सम्पादक – रामवृक्ष बेनीपुरी
निर्धारित पद – 1, 2, 11, 35, 38, 72, 141, 144, 174, 176, 191, 199, 216, 252, 253
कुल पद – 15

iv) **रचनावली – अमीर खुसरो**
दोहे (1–4), सूफी दोहे (2, 4, 6, 9, 10)
काव्य – आ साजन मोरे नैनन में, सकल बन फूल रही सरसों
काहे को ब्याहे बिदेस, छाप तिलक सब छीनी रे, जिहाल–ए–मिस्कीं मकुन,
अपनी छवि बनाई के, मोरा जोबना नवेलरा भयों, परदेसी बालम धन अकेली।

v) **कबीर**
कबीर : सम्पादक : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
निर्धारित अंश
(i) पाठ्य साखियाँ – 106, 148, 157, 162, 175, 176, 177, 178, 191, 200, 201, 202, 219, 220, 222, 231, 233, 234, 240, 241, 242, 245, 246, 256 = कुल 24 साखियाँ
(ii) पाठ्य पद – 130, 134, 137, 163, 168, 207, 209, 212, 224, 228, 229, 236, 247, 250 = कुल 14 पद

ख) **आलोचनात्मक प्रश्न :**

गोरखनाथ –

- नाथ पंथ का उदय एवं परिस्थितियाँ
- नाथ पंथ और भक्ति आंदोलन
- नाथ परम्परा और गोरखनाथ
- नाथयोग दर्शन : साधना एवं स्वरूप

चन्दबरदाई

- रासो काव्य परम्परा : प्रमुख रासो काव्य एवं रचनाकार
- पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता
- पृथ्वीराज रासो का वस्तु–वर्णन
- पद्‌मावती समय का काव्य सौन्दर्य

विद्यापति

- विद्यापति : भक्त या श्रृंगारी कवि
- विद्यापति का श्रृंगार वर्णन
- विद्यापति की गीति योजना
- विद्यापति का काव्य–शिल्प

अमीर खुसरो

- अमीर खुसरो का जीवन परिचय एवं रचना संसार
- अमीर खुसरो की हिंदी कविता
- अमीर खुसरो की कविताओं में लोक जीवन
- अमीर खुसरो की भाषा और काव्य सौन्दर्य

कबीर

- कबीर की सामाजिक चेतना
- कबीर की निर्गुणोपासना
- कबीर का दार्शनिक चिंतन
- कबीर की प्रासंगिकता

सहायक ग्रंथ

1 गोरखबानी – सम्पादक, पीताम्बर दत्त बडथ्वाल, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

2 नाथ सम्प्रदाय – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

3 नाथ सिद्धों की रचनाएं – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली।

4 गोरखनाथ और उनका युग – रांगेय राघव, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली।

5 पृथ्वीराज रासो : साहित्यिक मूल्यांकन – डॉ० द्विजराम यादव, साहित्य लोक प्रकाशन।

6 चन्दबरदाई और उनका काव्य – विपिन बिहारी द्विवेदी, हिन्दुस्तान एकादमी, इलाहाबाद।

7 आदिकाल की प्रमाणिक रचनाएँ – डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस प्रकाशन, नई दिल्ली।

8 विद्यापति – व्यक्ति और कवि – डॉ० रामसजन पाण्डेय, दिनमान प्रकाशन, दिल्ली।

9 विद्यापति – विश्वनाथ मिश्र, नन्द किशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी।
10 अमीर खुसरो और उनका साहित्य – भोलानाथ तिवारी, प्रभात पबिलिकेश्न, नई दिल्ली।
11 कबीर व्यक्तित्व, कृतित्व और सिद्धान्त – डॉ० सरनाम सिंह शर्मा, भारतीय शोध संस्थान, जयपुर।
12 मध्ययुगीन काव्य साधना – डॉ० रामचन्द्र तिवारी, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या।
13 संत कबीर – राम कुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
14 संत कवि दादू और उनका काव्य – वासुदेव शर्मा, प्रबन्ध प्रकाशन, नई दिल्ली

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ व्याख्या के लिए पूछे गए कुल छः अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंकों का होगा।

2 प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

एम० ए० (हिंदी) द्वितीय वर्ष
(तृतीय सेमेस्टर)
आधुनिक गद्य साहित्य

Core –(CC302)
Paper Code -
पूर्णांक – 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30
लिखित – 70

समय : 3:00 घण्टे

Course Objective –
हिंदी साहित्य के आधुनिक गद्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना।
विभिन्न लेखकों और विभिन्न गद्य विधाओं का विशिष्ट ज्ञान।
Course Learning outcomes :
हिंदी साहित्य के आधुनिक गद्य का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख लेखकों एवं उनकी कृतियों की समझ विकसित होगी।

इकाई – (क)

- हिन्दी गद्य की निर्माण भूमि–फोर्ट विलियम कॉलेज
- हिन्दी गद्य का आरम्भिक स्वरूप
- भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्यकारों का योगदान : जॉन गिलक्राइस्ट, सदल मिश्र, इंशाअल्लाह खाँ, सदासुख लाल, शिवप्रसाद सितारे हिंद, राजा लक्ष्मण सिंह
- आधुनिक युग में कथेतर विधाओं का विकास

इकाई – (ख)

- गोदान (उपन्यास) – प्रेमचंद
- आधे–अधूरे (नाटक) – मोहन राकेश
- नाखून क्यों बढ़ते हैं (निबन्ध) – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- गेहूँ और गुलाब (रेखाचित्र) – रामवृक्ष बेनीपुरी
- तुम्हारी स्मृति (संस्मरण) – माखन लाल चतुर्वेदी
- एकलव्य के नोट्स (रिपोतार्ज) – फणीश्वरनाथ रेणु
- हँसते हुए मेरा अकेलापन (डायरी) – मलयज

आलोच्य विषय :

गोदान –

1. हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास
2. कृषक जीवन का महाकाव्य
3. युगीन समस्याओं का निरूपण
4. प्रेमचंद के साहित्य में गोदान का स्थान

आधे अधूरे –

1. हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास
2. आधुनिकता बोध
3. परिवार संस्था का स्वरूप
4. प्रयोगधर्मिता

निबन्ध –

1. हिन्दी निबन्ध का उद्भव और विकास
2. नाखून क्यों बढ़ते है निबन्ध की मूल संवेदना

रेखाचित्र –

1. हिन्दी रेखाचित्र का उद्भव और विकास
2. गेहूं और गुलाब में निरूपित व्यंग्य

संस्मरण –

1. हिन्दी संस्मरण का उद्भव और विकास
2. तुम्हारी स्मृति संस्मरण का मूल प्रतिपाद्य

रिपोतार्ज –

1. हिन्दी रिपोतार्ज का उद्भव और विकास
2. एकलव्य के नोट्स का विश्लेषण
   (क) भाषा शैली (ख) प्रतिपाद्य

डायरी –

1. हिन्दी डायरी का उद्भव और विकास
2. हँसते हुए मेरा अकेलापन में व्यक्त समस्या

सहायक ग्रंथ

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग।

2 हिन्दी का गद्य साहित्य – डॉ० रामचन्द्र तिवारी, गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर।

3 हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

4 हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास – रामबहोरी शुक्ल, भगीरथ मिश्र, हिन्दी भवन प्रकाशन, इलाहाबाद।

5 हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास – सम्पादक डॉ० अनीता यादव, डॉ० वीणा शर्मा, पेपर बेक पब्लिकेशन, नई दिल्ली।

6 फोर्ट विलियम कॉलेज – डॉ० लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद, इलाहाबाद।

7 आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका – डॉ० लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद, इलाहाबाद।

8 गोदान (उपन्यास) – प्रेमचन्द, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

9 आधे–अधूरे (नाटक) – मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

10 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के श्रेष्ठ निबन्ध – विनोद तिवारी, लोक भारती प्रकाशन।

11 गेहूं और गुलाब – रामवृक्ष वेनीपुरी, जनवाणी प्रकाशन, कलकत्ता।
12 एकलव्य के नोट्स (रिपोतार्ज) – फणीश्वरनाथ रेणु, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
13 मलयज की डायरी (डायरी) – मलयज, सम्पादक –नामवर सिंह, वाणी प्रकाशन।
14 फणीश्वरनाथ रेणु के रिपोतार्ज – भारत यायावर, प्रेरणा पब्लिकेशन, भोपाल मध्य प्रदेश।
15 समय की शिला पर – संकलन भारत यायावर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
16 समय के पाँव – माखन लाल चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
17 रचना से संवाद – मलयज, सम्पादक तरूण, राजकमल प्रकाशन।

निर्देश –

1 खंड ख में निर्धारित पाठ्यक्रम में से आंतरिक विकल्प के साथ व्याख्या के लिए पूछे गए कुल छः अवतरणों में से परीक्षार्थी को तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 15 अंकों का होगा।

2 पाठ्यक्रम में निर्धारित क तथा ख दोनों खण्डों में से दिए गए आलोच्य विषयों में से 12 प्रश्न पूछे जाएंगे। खण्ड–क में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कुल 4 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे इसी प्रकार खण्ड – ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस प्रकार दोनों खण्डों से मिलाकर निर्देशानुसार परीक्षार्थियों को कुल 6 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 30 अंक का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। पूरा प्रश्न 18 अंकों का होगा।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

एम० ए० (हिंदी) द्वितीय वर्ष
(तृतीय सेमेस्टर)
पाश्चात्य काव्य शास्त्र

Core –(CC303)
Paper Code -
पूर्णांक – 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30
लिखित – 70

समय : 3:00 घण्टे

Course Objective –
पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ विकसित होगी
कृतियों के विश्लेषण हेतु पाश्चाात्य चिंतन का पक्ष स्पष्ट होगा
Course Learning outcomes :
पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ भाषा तथा कला की आवश्यकता और जीवन के बीच आलोचनात्मक सम्बन्ध निर्माण करती है।
पाश्चात्य चिंतन परम्परा की समझ विकसित होगी।

इकाई – I

- प्लेटो : काव्य सिद्धान्त
- अरस्तू : अनुकरण तथा विरेचन सिद्धान्त
- लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा

इकाई – II

- ड्राइडन : काव्य सिद्धांत
- वड्र्सवर्थ : काव्य सिद्धांत
- कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत

इकाई – III

- मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
- टी० एस० इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
- आई० ए० रिचर्ड्स : संवेगों का संतुलन

इकाई – IV

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धांत और वाद –
- स्वच्छन्दतावाद
- शास्त्रीयतावाद
- अभिव्यंजनावाद
- मार्क्सवाद
- फ्रायडवाद

- अस्तित्ववाद
- उत्तर आधुनिकतावाद

सहायक ग्रंथ

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त–डॉ० मैथिलीप्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा – डॉ० तारकनाथ बाली, शब्दकार, दिल्ली।
4. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली।
5. प्रगतिशील हिंदी आलोचना की रचना प्रक्रिया – हौसिलाप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6. पाश्चात्य काव्य चिंतन – डॉ० करूणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. पाश्चात्य काव्य शास्त्र : अधुनातन संदर्भ – सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. उत्तर आधुनिकता : स्वरूप और आयाम – बैजनाथ सिंघल, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
9. हिंदी आलोचना के आधार स्तम्भ – सम्पादक रामेश्वरलाल खण्डेलवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. हिंदी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार –रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
11. हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली – डॉ० अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

निर्देश –

1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

एम० ए० (हिंदी) द्वितीय वर्ष
(तृतीय सेमेस्टर)
साहित्य चिंतन के विविध आयाम

(General Elective)
GEC –304
Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे

पूर्णांक – 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30
लिखित – 70

Course Objective –
हिंदी साहित्य के विभिन्न वैचारिक पक्षों का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना।
विभिन्न लेखकों और उनकी रचनाओं का विशिष्ट ज्ञान
Course Learning outcomes :
हिन्दी साहित्य के विभिन्न वैचारिक पक्षों का विशिष्ट ज्ञान।
प्रमुख लेखकों और उनकी कृतियों की समझ विकसित होगी।

इकाई – I

साहित्य और समाज : सैद्धान्तिक आयाम

क) साहित्य सम्बन्धी अवधारणाएँ : भारतीय एवं पाश्चात्य
ख) साहित्य का प्रयोजन
ग) साहित्य और समाज
घ) साहित्य और इतिहास
ङ) साहित्य और राजनीति
च) साहित्य और मनोविज्ञान
छ) साहित्य और संस्कृति
ज) साहित्य और अन्य कलाएं

इकाई – II

साहित्य में उद्घाटित विभिन्न समस्याएं : हिन्दी कहानियों के सन्दर्भ में

1. भूमि अधिग्रहण की समस्या
   - एक टोकरी भर मिट्टी – माधव राव सप्रे
   - लाल छींट वाली लुगडी का सपना – सत्यनारायण पटेल
2. साम्प्रदायिकता की समस्या
   - अमृतसर आ गया – भीष्म साहनी
   - शरणदाता – अज्ञेय
3. उपभोक्तावादी संस्कृति और बाजार का प्रतिरोध
   - पक्षी और दीमक – गजानन माधव मुक्तिबोध
   - पीली छतरी वाली लड़की – उदय प्रकाश
4. पितृसत्तात्मक समाज व्यवस्था और संस्कृति
   - करवा का व्रत – यशपाल
   - पत्नी – जैनेन्द्र
5. बेरोजगारी की समस्या –
   - जेवर का डिब्बा – प्रेमचंद
   - लंदन की एक रात – निर्मल वर्मा

आलोच्य विषय

1. 'एक टोकरी भर मिट्टी' कहानी में अभिव्यक्त भूमि अधिग्रहण की समस्या
2. 'लाल छींट वाली लुगड़ी का सपना' कहानी में अभिव्यक्त भूमि अधिग्रहण की समस्या
3. 'अमृतसर आ गया' कहानी में अभिव्यक्त सांप्रदायिकता की समस्या
4. 'शरणदाता' कहानी में सांप्रदायिकता की समस्या
5. 'पक्षी और दीमक' कहानी में उपभोक्तावादी संस्कृति और बाजारवाद का प्रतिरोध
6. 'पीली छतरी वाली लड़की' कहानी में उपस्थित उपभोगतावादी संस्कृति और बाजारवाद का प्रतिरोध
7. 'करवा का व्रत' कहानी में उपस्थित पितृसत्तात्मक समाज और संस्कृति का चित्रण
8. 'पत्नी' कहानी में अभिव्यक्त पितृसत्तात्मक समाज और संस्कृति का चित्रण
9. 'जेवर का डिब्बा' कहानी में उपस्थित बेरोजगारी की समस्या
10. 'लंदन की एक रात' कहानी में उपस्थित बेरोजगारी की समस्या

सहायक ग्रंथ

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2 हिन्दी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3 साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4 साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5 साहित्यलोचन – श्यामसुन्दर दास, इण्डियन प्रेस, इलाहाबाद।
6 साहित्य सहचर : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन।
7 साहित्य के सिद्धान्त तथा रूप – भगवती चरण वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8 आलोचना और विचारधारा – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9 आज और आज से पहले – कुंवर नारायण, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10 सर्जना और सन्दर्भ – अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
11 छठवाँ दशक (राजनीति और साहित्य शीर्षक निबन्ध) – विजयदेव नारायण साही
12. मुक्तिबोध रचनावली – खण्ड पाँच (समाज और साहित्य), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. मिट्टी की ओर – रामधारी सिंह दिनकर, लोक भारती, इलाहाबाद।
14. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र – शरण कुमार लिंबाले, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
15. साहित्य का नया सौन्दर्यशास्त्र – सं० देवेन्द्र चौबे, किताबघर।
16 What is literature – Jean Paul Santre – Roultedge London
17 On Literature – j. Hilli's Miller Roultedge London.
18. प्रतिनिधि कहानियाँ – प्रेमचंद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
19. प्रतिनिधि कहानियाँ – यशपाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
20. प्रतिनिधि कहानियाँ – उदय प्रकाश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
21. प्रतिनिधि कहानियाँ – निर्मल वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
22. प्रतिनिधि कहानियाँ – सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

निर्देश –

1 निर्धारित पाठ्यक्रम में से आंतरिक विकल्प के साथ इकाई–1 से 4 और इकाई–2 से छः प्रश्न पूछते हुए कुल 10 प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल पाँच प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

2 पूरे पाठ्यक्रम में से कुल दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

एम० ए० (हिंदी) द्वितीय वर्ष
(तृतीय सेमेस्टर)
हिन्दी भाषा और लोक साहित्य

General Elective
GEC –304
Paper Code -
पूर्णांक – 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30
लिखित – 70

समय : 3:00 घण्टे

Course Objective –
लोक और लोक–साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान
लोक साहित्य और उसके माध्यम
Course Learning outcomes :
लोक की अवधारणा और लोक – साहित्य की सैद्धान्तिक समझ
लोक के विश्लेषण की क्षमता

इकाई – क

- लोक साहित्य का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
- लोक साहित्य का इतिहास
- लोक, संस्कृति और साहित्य
- लोक की विविध व्याख्याएँ (सामाजिक, मनोवैज्ञानिक एवं एथनोग्राफिक)

इकाई – ख

- साहित्य और लोक का अन्तर एवं अंत:सम्बन्ध
- लोक साहित्य में अभिव्यक्ति और अनुभूति
- लोक साहित्य में परम्परा और परिवर्तन
- भूमण्डलीकरण के दौर में लोक साहित्य

इकाई – ग

- हिन्दी : लोक संस्कृति के क्षेत्र और लोक शैलियाँ
- लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य
- देवीगीत, ऋतुगीत, संस्कार गीत
- नौटंकी, स्वांग, बिदेसिया, रामलीला

इकाई – घ

- हरियाणवी भाषा : उद्भव और विकास
- हरियाणवी भाषा की बोलियाँ
- हरियाणवी कविता : परिचय एवं प्रवृत्तियाँ

* हरियाणवी सांग परम्परा

सहायक ग्रंथ

1 लोक – संपादक पीयूष दहिया
2 लोक का आलोक – संपादक पीयूष दहिया
3 लोक साहित्य की भूमिका – डॉ० धीरेन्द्र वर्मा
4 लोक साहित्य का अध्ययन – त्रिलोचन पाण्डेय
5 लोक साहित्य विमर्श – सत्य प्रिय पाण्डेय
6 भारतीय लोक साहित्य – श्याम परमार
7 लोक नाट्य सांग : कल और आजः पूर्णचंद शर्मा
8 लोक साहित्य – सुरेश गौतम
9 लोकगीत पाठ एवं विमर्श – सत्य प्रिय पाण्डेय
10 लोक आख्यान परम्परा और परिदृश्य – श्याम सुन्दर दूबे
11 लोक साहित्य की सांस्कृतिक परम्परा – मनोहर शर्मा
12 हिन्दी का लोक : कुछ रस, कुछ रंग : रसाल सिंह
13 Folk culture in india – S.P. Pandey, Awadesh Kumar singh
14 An outline of culture History of India – Syed Abdul Latif
15 हरियाणवी और उसकी बोलियों का अध्ययन – डॉ० पूर्णचंद शर्मा
16 हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य – डॉ० शंकर लाल यादव, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
17 हरियाणवी भाषा और साहित्य – डॉ० बाबूराम, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला

निर्देश –

1 निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आन्तरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कुल आठ प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

2 पूरे पाठ्यक्रम में से कुल 10 लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

एम० ए० (हिंदी) द्वितीय वर्ष
(तृतीय सेमेस्टर)
व्यावहारिक एवं प्रायोगिक हिन्दी अनुवाद

Skill enhancement Course
SEC or PTI
(Project / Training / Internship)
पूर्णांक – 150
अनुवाद – 100
अधिन्यास – 50
Credits – 4 + 2 = 6
(अनुदित पुस्तिका + मौखिकी प्रस्तुति)

Course Objective –
1. विभिन्न भाषाओं और हिंदी भाषा के अंतः संबंध का ज्ञान
2. भाषा और अनुवाद का व्यवहारिक प्रयोग

Course Learning outcomes :
1. भाषा और अनुवाद जगत के विश्लेषण की क्षमता
2. भाषा, शब्दावली और अनुवाद की सैद्धांतिक सगझ विकसित होगी

निर्धारित पाठयक्रम :

- पाठ्यक्रम में निर्धारित हिन्दी अनुवाद के लिए निर्धारित भाषा विकल्प ब्रज / अवधी / हरियाणवी / अंग्रेजी में से किसी एक का चयन करते हुए उसी भाषा विकल्प से संबंधित एक रचना का हिन्दी अनुवाद करना सुनिश्चित करें।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित हिंदी अनुवाद के लिए चयन की गई रचना से संबंधित मौखिकी परीक्षा।

निर्देश –

1 हिंदी अनुवाद के लिए पाठ्यक्रम में निर्धारित भाषा ब्रज / अवधी / हरियाणवी / अंग्रेजी में से परीक्षार्थी के द्वारा किसी एक भाषा का चयन करते हुए संबंधित प्राध्यापक की देखरेख में उसी भाषा से सम्बंधित किसी एक रचना का हिंदी अनुवाद कर 'अनुदित पुस्तिका' के रूप में प्रस्तुति करनी होगी।

2 परीक्षार्थी के द्वारा हिंदी अनुवाद के लिए चुने गए भाषा विकल्पों में से जिस भाषा और रचना का का चयन परीक्षार्थी के द्वारा किया गया है उससे संबंधित मौखिकी परीक्षा देनी होगी।